# आर्टस् ॲण्ड कॉमर्स कॉलेज, आष्टा

## हिंदी विभाग

प्रा. विकास पाटील

# कक्षा – तृतीय वर्ष

# विषय :– प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रयोजनमूलक हिंदी

# अनुवाद

# प्रयोजनमूलक हिंदी

- अनुवाद :– व्युत्पत्तिमूलक अर्थ
- अनुवाद का स्वरूप
- अनुवाद परिभाषा
- अनुवाद के प्रकार
- विषय क्षेत्र के आधार पर अनुवाद के प्रकार
- अनुवादक के गुण
- अनुवाद और रोजगार के अवसर

# प्रयोजनमूलक हिंदी

## अनुवाद :– व्युत्पत्तिमूलक अर्थ

- अनुवाद शब्द की व्यत्पत्ति 'वद्' धातु में 'अनु' उपसर्ग लगने से हुई है।
- 'वद्' का अर्थ है– कहना/बोलना
- अनुवाद शाब्दिक अर्थ– पुनःकथन, किसी के कहने के बाद कहना

# प्रयोजनमूलक हिंदी

## अनुवाद :– स्वरूप

- एक भाषिक प्रक्रिया है।
- स्त्रोत भाषा
- लक्ष्य भाषा

# प्रयोजनमूलक हिंदी

## अनुवाद :– परिभाषा

J. C. ketford :- "Translation is the replacement of textual material in one language (Source language) by equivalent textual material in another language (Target language)."

डॉ. भोलानाथ तिवारी :– "एक भाषा में व्यक्त विचारों को, यथा सम्भव समान और सहज अभिव्यक्ति द्वारा दूसरी भाषा में व्यक्त करने का प्रयास अनुवाद है"

# प्रयोजनमूलक हिंदी

## अनुवाद प्रकार निर्धारण के आधार

- विषय
- प्रकृति
- प्रक्रिया
- पाठरचना
- कर्ता

# प्रयोजनमूलक हिंदी

## विषय क्षेत्र के आधार पर अनुवाद प्रकार

- 1. साहित्यिक अनुवाद
- 2. साहित्येतर अनुवाद

# प्रयोजनमूलक हिंदी

## विषय क्षेत्र के आधार पर अनुवाद प्रकार

- 1. साहित्यिक अनुवाद
- 1. काव्यानुवाद
- 2. नाट्यानुवाद
- 3. कथानुवाद
- 4. अन्य विधाएँ – आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, निबंध, डायरी संस्मण, आलोचना, हास्य व्यंग्य, यात्रासाहित्य आदि

# प्रयोजनमूलक हिंदी

## विषय क्षेत्र के आधार पर अनुवाद प्रकार

- 2. साहित्येतर अनुवाद
- 1. वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद
- 2. विधि अनुवाद
- 3. प्रशासनिक अनुवाद
- 4. वाणिज्य अनुवाद
- 5. संचार माध्यम अनुवाद
- 6. मानविकी अनुवाद

# प्रयोजनमूलक हिंदी

## अनुवादक के गुण

- 1. स्त्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा का ज्ञान
- 2. विषय का ज्ञान
- 3. विश्लेषण क्षमता
- 4. विवेकशीलता
- 5. वस्तुनिष्ठता
- 6. व्यक्तित्वपूर्णता

# प्रयोजनमूलक हिंदी

## अनुवाद और रोजगार के अवसर

- www.ssc.gov
- www.indianrailways.com
- www.ibs.com

धन्यवाद!